रैडिक्स. कॉरपोरेट जगत की शख्सियतों ने विद्यार्थियों को दिये बिजनेस के महत्वपूर्ण टिप्स

उद्योग के आयाम को समझें भविष्य की रणनीति तय करें

■ क्या कर सकते हैं? और कैसे? जैसी सोच विकसित करने से जरूर नया कर लेंगे

■ बाजार में चल रहे इनोवेटिव आइडिया से विद्यार्थियों को सीख लेने की जरूरत है

लाइफ रिपोर्टर @ रांची
life.ranchi@prabhatkhabar.in

लोग क्या कर रहे हैं, क्या नहीं यह सोचकर समय बर्बाद करने से अच्छा है कि क्या कर सकते हैं? और कैसे? यह सोच विकसित करने से विद्यार्थी जरूर कुछ नया कर लेंगे. उद्योग और तकनीक इसमें मदद करेगी. केवल पुरानी पद्धति को नये नजरिये से सोचने की जरूरत है. इसमें ही नया बिजनेस आइडिया सामने आयेगा. यह बातें रविवार को गार्टनर संस्थान के वाइस प्रेसिडेंट अरिंदम मुखोपाध्याय ने कहीं. वे सीएमपीडीआइ स्थित मयूरी सभागार में रविवार को आइआइएम की ओर से आयोजित बिजनेस कॉन्क्लेव 'रैडिक्स 6.0' को संबोधित कर रहे थे.

उन्होंने विद्यार्थियों को बदलते समय के साथ नये बिजनेस स्ट्रेटजी पर अपने विचार दिये. साथ ही व्यवसाय के क्षेत्र में जरूरी माध्यम व उपयोगी जानकारियों को साझा किया. कॉन्क्लेव को नालको के प्रोडक्शन डायरेक्टर वी बालासुग्रमण्यम, केट आरओ के चीफ इनफॉरमेशन ऑफिसर सौरव गुप्ता, टाटा मोटर्स के सीनियर जीएम मानस कुमार मिश्रा, रिलायंस जियो के वाइस प्रेसिडेंड एचआर हरप्रीत खंडुजा, पीपल स्ट्रांग के एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंड अमित जैन, राहुल नीजवान, द पार्क होटल की कॉरपोरेट डायरेक्टर कम्युनिकेशन एंड पीआर की रुचिका मेहता ने संबोधित किया.

बाजार में टिके रहने के लिए नयी सोच जरूरी : वक्ताओं ने कहा कि व्यवसाय की शुरुआत अचानक नहीं की जा सकती. इसके लिए बाजार में चल रहे इनोवेटिव आइडिया से सीख लेने की जरूरत है.

इससे इनोवेशन की सीमा बढ़ती है. साथ ही बाजार को कुछ नया उपलब्ध होता है. व्यवसायी होने के नाते बाजार में टिके रहने के लिए न्यू थिंकिंग आइडिया को पेश करते रहना होगा. यह लोगों को सर्विस देने में मदद करेगी. इससे व्यवसाय के क्षेत्र में संभावना तलाशने में सुविधा मिलेगी. वक्ताओं ने बदलते समय के साथ व्यवसाय में तकनीक के बेहतर इस्तेमाल को समझने की बात कही. उन्होंने कहा कि उद्यमी हो या व्यवसायी जब तक आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस (एआइ) और मशीनरी इंटेलिजेंस (एमआइ) का इस्तेमाल नहीं समझेंगे, नयी संभावना तैयारी नहीं की जा सकती. एमआइ और एआइ बदलते समय के व्यवसाय को नयी ऊंचाइयों तक ले गये, जिससे बाजार में चुनौती बढ़ी है. ऐसे में इन्हें साथ लेकर ही चलने वाले बाजार में टिक सकेंगे.

वक्ताओं ने व्यवसाय के क्षेत्र में लाभ देखने के लिए तीन जरूरी आयाम को समझने की बात कही. ऐसे में जियो पॉलिटिक्स - जिसमें रिसोर्स, मैन पावर और व्यवसाय की मूलभूत संरचना को बदलते रहने की जरूरत है. वहीं आर्थिक लाभ का फायदा उठाने के लिए बाजार के बदलते तौर तरीकों को सीखने की जरूरत है. इसके अलावा बदलाव में शामिल माध्यम (जैसे वर्तमान में ऑनलाइन बिजनेस) को समझते हुए खुद के व्यवसाय को उसी स्तर पर आगे बढ़ाने की तैयारी करना व्यवसाय को लाभ पहुंचा सकता है.

बिजनेस को बढ़ाने के लिए 'एंट फिलॉसफी' जरूरी

अरिंदम ने विद्यार्थियों से कहा कि व्यवसाय को बढ़ाते वक्त लोग यह सोचते हैं कि उसे कैसे बढ़ाया जाये. इसमें एंट फिलोसफी कारगर है. इसके तहत लोग अपनी क्षमता से ज्यादा की सोचते हैं और उसे पूरा करने में जी-जान से जुट जाते हैं. इसमें तकनीक और बदलते परिवेश को गंभीरता से लेने की जरूरत है. इसके बाद कोई भी व्यवसायी निष्कर्ष तक पहुंच सकता है. युवा व्यवसायी बनने के लिए लीक से हटकर काम करने की जरूरत है, जो सिर्फ नयी सोच को विकसित कर ही किया जा सकता है. इसके लिए व्यवसायी को अपनी क्षमता और स्किल को भी बढ़ाना होगा.

सीएमपीडीआइ स्थित मयूरी सभागार में आइआइएम की ओर से आयोजित बिजनेस कॉन्क्लेव 'रैडिक्स 6.0' में शामिल विद्यार्थी.

Prabhat Khabar, 25.11.2019, Pg. 17